[illegible]

[illegible]

([illegible], **योग व प्राकृतिक चिकित्सा**, [illegible], **सिद्ध एवं होम्यो**[illegible])

[illegible]

अतारांकित प्रश्न सं. 4514

19 [illegible], 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

[illegible]

4514. श्री [illegible]:
श्री [illegible]:
[illegible]:

क[illegible], [illegible] **प्राकृतिक** [illegible] ([illegible]) [illegible]:

(क) क[illegible] [illegible];

(ख) [illegible] प्र[illegible] [illegible] स्वास्थ्य कद्रों [illegible] प्र[illegible] [illegible] [illegible]क्षेत्र-[illegible] ब[illegible] क[illegible];

(ग) क[illegible] बुनियादी [illegible];

(घ) क[illegible] प्र[illegible] [illegible] स्वास्थ्य कद्र [illegible] रू[illegible] [illegible]क्ष[illegible] [illegible];

(ङ) [illegible] द[illegible] [illegible] क[illegible] [illegible]?

<u>[illegible]</u>

<u>[illegible] (स[illegible]तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)</u>

([illegible]) [illegible]([illegible].): आयुष मंत्रालय ने मौजूदा कसर, [illegible], हृदयरोग और आघात को रोकथाम और निवारण संबंधी राष्ट्रीय कायक्रम (एनपीसीडीसीएस) को और अधिक कारगर बनाने के लिए स्वास्थ्य [illegible], स[illegible]स्थ्य और परिवार कल्या[illegible] [illegible] से एनपीसीडीसीएस कायक्रम के साथ आयुष पद्धति के [illegible]। इस कायक्रम म 31 मई, 2019 [illegible] 18.99 [illegible] 1.75 लाख रोगियां को सूचीबद्ध किया गया है।

- आयुवदोय उपचार काय राज्यां [illegible] 52 कद्रों (49 [illegible] 3 [illegible]) [illegible] ([illegible]), सुरेन्द्रनगर (गुजरात) और गया (बिहार) म कायान्वित किया गया है।
- [illegible] [illegible]त[illegible]र प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले म एक जिला अस्प[illegible] 17 [illegible] स[illegible]स्थ्य कद्रों (सीएचसी) म कायान्वित किया गया है।
- [illegible] (आंध्र प्रदेश) और दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) के 21 कद्रों म कायान्वित [illegible], 2017 [illegible] [illegible]लपुर (ओडिशा) और नासिक (महाराष्ट्र) [illegible]।
- योग सभी राज्यां म तीनां पद्धतियां का एक अभिन्न [illegible]।

****